सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय जैविक संस्थान समाचार-पत्रक

अंक 2 : अप्रैल–जून, 2022

निदेशक के पटल से

राष्ट्रीय जैविक संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद पिछले 30 वर्षों में, अपने सुविज्ञ, सुप्रशिक्षित, सक्षम और अत्यंत प्रेरित कर्मचारियों की बदौलत जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण के अति विशिष्ट वैज्ञानिक क्षेत्र में धीरे–धीरे सफलता के आयाम प्राप्त किए हैं। विज्ञान, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास, वैश्वीकरण का प्रभाव हमारे दैनिक जीवन पर पड़ना अवश्यम्भावी और अपरिहार्य है । इस सोच के साथ, हम अपने राष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु कार्य करने के अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते जा रहे हैं।

एनआईबी में 30 जून 2022 को "राष्ट्र की सेवा में तीन दशक" विषय के तहत देश की आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया । माननीय राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने इस विशिष्ट कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और डॉ. बलराम भार्गव, सचिव, डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर ने भी अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस समारोह में भाग लिया।

एनआईबी की 30वीं वर्षगांठ और एचवीपीआई की 10वीं वर्षगांठ के इस शुभ अवसर पर राष्ट्रीय रक्तदाता सतर्कता कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) के तहत "एनआईबी के 30 वर्षों और "रक्तदाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज पर माननीया राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने एक पुस्तिका और एनआईबी की गतिविधियों पर एक वीडियो जारी किया । 25 वर्ष की सेवा पूरी करके संस्थान की प्रगति में योगदान देने वाले कर्मचारियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया।

जैविकों के क्षेत्र में अकादमिक और कौशल विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, बायोफार्मास्यूटिकल्स के गुणवत्ता आश्वासन पर एक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए एनआईबी, नोएडा ने 17 मई 2022 को डीपीएसआरयू, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

एनआईबी ने "प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना" के तहत एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण पर राष्ट्रीय कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अपनी परंपरा को जारी रखा है। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) और बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार (असम) के 32 छात्रों के लिए 06 जून से 17 जून 2022 तक एनआईबी में प्रशिक्षण आयोजित किया गया ।

आप सभी को मेरी शुभकामनाएँ !!

अनूप अन्चीकर
निदेशक

इस अंक में सामग्री

03	कोविड–19 डायग्नोस्टिक किट का गुणवत्ता नियंत्रण वैधीकरण
04	आजादी का अमृत महोत्सव–राष्ट्र की सेवा में तीन दशक
05	एनआईबी और डीपीएसआरयू के बीच समझौता ज्ञापन
06	तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें
	अनुसंधान और प्रकाशन
07	प्रशिक्षण और कार्यशालाएं
08	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

सम्पादकीय टीम

श्रीमती वाई मधु	श्री जयपाल मीणा	डॉ मंजुला किरण	श्रीमती अपूर्वा आनंद
संपादक	एसोसिएट संपादक	एसोसिएट संपादक	एसोसिएट संपादक

कोविड–19 डायग्नोस्टिक किट का गुणवत्ता नियंत्रण वैधीकरण

डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II

कोरोना वायरस रोग 2019 (कोविड–19) के प्रेरक एजेंट सार्स–कोव–2 का पता वर्ष 2019 के अंत में चीन के वुहान में लगा था। डब्ल्यूएचओ द्वारा इसे मार्च 2020 में वैश्विक महामारी घोषित करना पड़ा । यह वायरस कोरोनाविरिडे परिवार, जीनस बीटा कोरोनोवायरस का एक सदस्य है, और इसमें सकारात्मक–भावना एकल–फंसे हुए आरएनए जीनोम होते है। जीनोम लगभग 30kb है और सोलह गैर–संरचनात्मक प्रोटीन (NSP1-NSP16) और चार संरचनात्मक प्रोटीन (न्यूक्लियोकैप्सिड, आवरण, झिल्ली और स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन) को एन्कोड करता है।

स्पाइक प्रोटीन एंजियोटेंसिन–परिवर्तित एंजाइम 2 (एसीई 2) रिसेप्टर के साथ बंधन के माध्यम से मेजबान कोशिकाओं में सार्स–कोव–2 प्रवेश में शामिल होता है। एस प्रोटीन में रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) एसीई 2 रिसेप्टर के साथ इंटरैक्ट करता है जो अंततः सेल झिल्ली को होस्ट करने के लिए वायरस का फ्यूजन करता है। कोविड–19 महामारी का तेजी से हुआ प्रसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था और इसने लाखों लोगों को संक्रमित किया जिसके कारण दैनिक जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया था। इसके परिणामस्वरूप भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इसलिए, वायरल एजेंट का परीक्षण एक महत्वपूर्ण कदम बन गया ताकि प्रसार को कम और नियंत्रित किया जा सके।

सार्स–कोव–2 के परीक्षण की मांग दुनिया भर में तेजी से बढ़ी और सबसे अधिक एकत्र किए गए नमूने वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया (वीटीएम) में रखे गए नासोफरीन्जियल (एनपी) स्वैब हैं। रियल टाइम– पोलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटी–पीसीआर) संक्रमण के दौरान सार्स–कोव–2 वायरस की उपस्थिति का पता लगाने के लिए वर्तमान में एक उत्कृष्ट मानक है। राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी) को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गुणवत्ता नियंत्रण वैधीकरण और कोविड–19 डायग्नोस्टिक किट के बैच परीक्षण का कार्य सौंपा गया है।

गुणवत्ता नियंत्रण वैधीकरण आवश्यक है क्योंकि यह निर्धारित करता है कि क्या उत्पाद द्वारा गुणवत्ता मानकों और अनुपालन को वास्तविक समय में पूरा किया जा रहा है और यह भी निर्धारित करता है कि क्या यह सुविधा संबंधित नियामक निकायों द्वारा उद्योग के लिए निर्धारित किए गए वर्तमान उत्तम विनिर्माण प्रथा (सीजीएमपी) दिशानिर्देशों को पूरा करती है। एनआईबी में स्थापित कोविड–19 किट परीक्षण प्रयोगशाला नियमित आधार पर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा अग्रेषित कोविड–19 नैदानिक किटों का गुणवत्ता नियंत्रण मूल्यांकन करती है। प्रयोगशाला में कोविड–19 के लिए विभिन्न प्रकार के वायरल आरएनए एक्सट्रैक्शन किट, वीटीएम/एमटीएम, आरटी–पीसीआर और आरटी–लैम्प आधारित किट के परीक्षण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और विशेषज्ञता उपलब्ध है।

डायग्नोस्टिक किट का मूल्यांकन संवेदनशीलता (अर्थात प्रभावित व्यक्तियों की सही प्रकार से पहचान करने की परीक्षण क्षमता) और विशिष्टत रूप से (अर्थात गैर–प्रभावित व्यक्तियों की परीक्षण क्षमता) के आधार पर किया जाता है। प्रयोगशाला में एक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली है तथा यह प्रमाणपत्र संख्याःटीसी–7725 के तहत आईईसी 17025:2017 "परीक्षण क्षमता एवं कैलिब्रेशन प्रयोगशालाओं के लिए सामान्य आवश्यकताए" के अनुसार कोविड–19 के लिए वायरल आरएनए एक्सटेक्शन किट्स, वीटीएम/एमटीएम, आरटी–पीसीआर तथा आरटी–लैंप किड्स के परीक्षण हेतु एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला ने सार्स–कोव–2 आरटी–पीसीआर के लिए एनआईवी–पुणे के साथ अंतर– प्रयोगशाला तुलनात्मक प्रवीणता (आईएलसी–पीटी) में भाग लिया।

इसके अलावा, प्रयोगशाला देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को आणविक जीव विज्ञान की तकनीकियों के कौशल को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान कर रही है। कोविड –19 किट परीक्षण प्रयोगशाला कोविड –19 के विरूद्ध देश की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रही है और अपने देश के लोगों की सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आजादी का अमृत महोत्सव–
राष्ट्र की सेवा में तीन दशक

राष्ट्रीय जैविक संस्थान (एनआईबी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में 30 जून 2022 को "राष्ट्र की सेवा में तीन दशक" विषय के तहत 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया गया। माननीया राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश भूषण, सचिव– स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डॉ. बलराम भार्गव, सचिव –डीएचआर एवं महानिदेशक, आईसीएमआर, प्रो. राजेन्द्र सिंह सांगवान–निदेशक, एसीएसआईआर, डॉ. रजनी कांत श्रीवास्तव –निदेशक, आरएमआरसी–गोरखपुर, डॉ. शालिनी सिंह–निदेशक, एनआईसीपीआर, डॉ. किरण कुमार कार्लापू– उप सचिव – एमओएचएफडब्ल्यू, डॉ. रुबीना बोस– उप औषधि नियंत्रक –सीडीएससीओ और डॉ. मल्लिका गोप– निदेशक–एनएबीएल भी समारोह में उपस्थित थे ।

माननीया राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एनआईबी के 30 वर्ष पूरे होने से संबंधित एक पुस्तिका और एक वीडियो तथा राष्ट्रीय रक्त दाता सतर्कता कार्यक्रम (एनबीडीवीपी) के तहत रक्तदाता प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के लिए एक मार्गदर्शन दस्तावेज जारी किया गया। 25 वर्ष की सेवा पूरी करके संस्थान की प्रगति में योगदान देने वाले कर्मचारियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। माननीया राज्य मंत्री ने अपने मुख्य भाषण में सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और उसकी सुरक्षा में एनआईबी की भूमिका पर प्रकाश डाला और देश की औषधि विनियामक प्रणाली में संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की ।

एनआईबी और डीपीएसआरयू के बीच समझौता ज्ञापन

एनआईबी ने "बायोफार्मास्यूटिकल्स के गुणवत्ता नियंत्रण पर प्रमाण पत्र कार्यक्रम" सहित वैज्ञानिक सहयोग के लिए 17 मई 2022 को डीपीएसआरयू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए । दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) के माननीय कुलपति प्रो रमेश के. गोयल तथा इस यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ अधिकारियों और एनआईबी के निदेशक डॉ अनूप अन्चीकर और संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक इस कार्यक्रम में उपस्थित थे ।

प्रवीणता परीक्षण (पीटी)/बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस)

- एनआईबी को एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया/क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (एसीबीआई/सीएमसी) बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) – 2022 में रसायन विज्ञान II (ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स) के लिए नामांकित किया गया है, जिसका आयोजन क्लीनिकल जैव रसायन विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा किया गया था। रसायन विज्ञान II के लिए परीक्षण दिनांक 04.04.2022, 09.05.2022 और 06.06.2022 को रखा गया था और इनसे प्राप्त परिणाम सीएमसी–ईक्यूएएस वेबसाइट पर अपलोड किए गए।

- पुनः संयोजक(रिकॉम्बिनेंट) उत्पाद प्रयोगशाला ने एटेनोलोल की जांच के लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (पीटीएस 226) पर मेडिसिन एंड हेल्थकेयर (ईडीक्यूएम) – फ्रांस की गुणवत्ता के लिए यूरोपीय निदेशालय की प्रवीणता परीक्षण योजना में भाग लिया।

तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें:

- डॉ गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख सीकेटीएल ने 8 अप्रैल, 2022 को बीआईआरएसी द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित पहली हब बैठक में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- डॉ. सुरेश कुमार, वैज्ञानिक ग्रेड–III ने दिल्ली विश्वविद्यालय, साऊथ कैम्पस, नई दिल्ली में न्यूड माइस की सुविधा स्थापित करने के लिए 11 अप्रैल 2022 को आयोजित बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।
- डॉ शिखा यादव, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख पशु सुविधा ने "NC3Rs कार्यशालाः डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों में 3आर को लागू करना – गुणवत्ता नियंत्रण और एशिया में जैविकों के बैच रिलीज परीक्षण पर प्रभाव को समझना" में भाग लिया, जिसका आयोजन 28 अप्रैल. 2022 को नेशनल सेंटर फॉर द रिप्लेसमेंट, रिफाइनमेंट एंड रिडक्शन आफ एनिमल इन रिसर्च (NC3Rs), यू.के. द्वारा किया गया था।
- डॉ हरीश चंदर, प्रभारी डीडीक्यूसी, श्री सुभाष चंद, वैज्ञानिक गेड–III, डॉ चारू एम. कमल, वैज्ञानिक ग्रेड–II और प्रमुख (आरपीएल और ईएचएल) और सुश्री गुरमिंदर बिंद्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–III ने 2 मई 2022 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), गाजियाबाद द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित "विशेषज्ञ कार्य समूह–जैविक और आरडीएनए उत्पादों की 12वीं बैठक" में भाग लिया।
- डॉ गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II ने सीएसआईआर– राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला सभागार, नई दिल्ली में 12 मई 2022 को आयोजित एसीएसआईआर के छठे दीक्षांत समारोह में भाग लिया।
- सुश्री रश्मि श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ग्रेड–III को हैदराबाद में 26 और 27 मई, 2022 को ब्लूटेक मीडिया द्वारा आयोजित दूसरे इंडिया बायोफार्मा लीडर्स बायो कॉन्क्लेव में एक पैनल चर्चा– वैश्विक नियामक परिप्रेक्ष्य–बायोसिमिलर के लिए वैश्विक नियामक परिप्रेक्ष्य–रणनीतियां और चुनौतियां में एक अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

- डायग्नोस्टिक्स के लिए नवगठित विशेषज्ञ समिति की पहली बैठक 10 जून, 2022 को डॉ. वी. एम. कटोच, पूर्व सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और महानिदेशक, आईसीएमआर की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जिसमें डायग्नोस्टिक्स की गुणवत्ता परीक्षण के साथ–साथ डायग्नोस्टिक्स पर काम करने वाली प्रयोगशालाओं द्वारा किए जा रहे अनुसंधान के बारे में इनपुट प्रदान किए गए ।
- एनआईबी के जैविक और अनुसंधान प्रस्तावों के इन–विवो क्यूसी परीक्षण से संबंधित प्रोटोकॉल की समीक्षा करने और अनुमोदन प्रदान करने के लिए एनआईबी की संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) की 60वीं बैठक 20 जून 2022 को आयोजित की गई। आईएईसी द्वारा 20 जून, 2022 को पशु सुविधा का वार्षिक निरीक्षण भी किया गया ।

अनुसंधान और प्रकाशन

- नवोन्मेषी प्रौद्योगिकीय अनुसंधान प्रभाग, आईसीएमआर ने डॉ हरीश चंदर, वैज्ञानिक ग्रेड–I और श्री सुभाष चंद, वैज्ञानिक ग्रेड–III द्वारा प्रस्तुत स्तन कैंसर सेल लाइनों में एचईआर2 के प्रकटन में परिवर्तनशीलता के आधार पर एंटी–एचईआर2 चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की जैविक गतिविधि के लिए इन–विट्रो बायोएसे का विकास नामक अनुसंधान परियोजना के वित्तपोषण को स्वीकार कर लिया है।
- आईसीएमआर द्वारा डॉ गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड–II और कोविड किट परीक्षण प्रयोगशाला प्रमुख को "सार्स–कोव–2 के विभिन्न उपभेदों के लिए उनकी विशिष्टता और संवेदनशीलता को बढ़ाने की दिशा में कोविड–19 आरटी–पीसीआर किट दक्षता डेटा का सामंजस्य" नामक परियोजना प्रदान की गई है।
- कुमार एस, पेरुमल एन, राज वीएस। मानव और माइस गट माइक्रोबायोटा पर उच्च वसा और उच्च नमक आहार घटकों के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजी, फार्मेसी एंड एलाइड साइंसेज। 2022; 11(5):2340-2359; doi;10.31032/IJBPAS/2022/11.5.6081.

- मेहता, वी., मीना , जे., कसाना , एच., मुंशी , ए., और चंदर , एच. (2022)। स्तन कैंसर में CHAC1 अभिव्यक्ति का प्रागैतिहासिक महत्व । आण्विक जीवविज्ञान रिपोर्ट , 1–10। https://doi.org/10.1007/s11033-022-07673-x
- सुरेश कुमार, रूबी धीमान, कार्लोस आर प्रुडेन्सियो, एंटोनियो चार्लीस दा कोस्टा, अर्पणा विभूति, एलसियो लील, चुंग–मिंग चांग, वी सैमुअल राज, रामेंद्र पति पांडे, चिटोसनः ड्रग डिलीवरी सिस्टम मिनी रेव मेड केम में अनुप्रयोग 2022 जून 9 (प्रभाव कारक –3.862)
- अनूप कुमार, उत्कर्ष साहू, प्रतिमा कुमारी, अंशुमन दीक्षित, प्रशांत खरे, "गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खिलाफ ऑन्कोजेनिक स्ट्रेन एचपीवी 16 और 18 को लक्षित करके इम्यूनोइन्फॉर्मेटिक प्लेटफॉर्म का उपयोग करके मल्टी–एपिटोप चिमेरिक वैक्सीन की डिजाइनिंग" वैज्ञानिक रिपोर्ट, 12, 9521 (2022) (प्रभाव कारक –4.380)
- अमृतपाल कौर, यश शर्मा, अनूप कुमार, मधुमिता पी घोष और कुमुद बाला। गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा पर Abrus precatorius बीज के अर्क के इन–विट्रो antiproliferative प्रभावकारिता. वैज्ञानिक रिपोर्ट 12, 10226 (2022) (प्रभाव कारक –4.380)।

प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

- पशु सुविधा ने विभिन्न संस्थानों के स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए 18–22 अप्रैल 2022 तक "अनुसंधान और नियामक परीक्षण में प्रयोगशाला जानवरों के नीति–विषयक उपयोग और देखभाल" पर 5 दिवसीय संरचित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- एनआईबी में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) और बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार (असम) के जैव प्रौद्योगिकी के एम.एससी. के छात्रों के लिए 06 से 17 जून, 2022 तक जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण पर राष्ट्रीय कौशल विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

- 25 जून 2022 को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थानों के अनुसंधान और विकास डोमेन की जानकारी और इसका महत्व, आविष्कारक के दृष्टिकोण से नवाचार, पेटेंट प्रक्रियाएं और मुद्दे विषयों को शामिल किया गया था : कानूनी परिप्रेक्ष्य के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब और आईसीएमआर आईपीआर– यूनिट के वक्ताओं ने भाग लिया ।

- एनआईबी ने 28 जून, 2022 को अपोलो हॉस्पिटल एजुकेशनल एंड रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लिनिकल रिसर्च (पीजीडीसीआर) के 12 छात्रों के लिए एक प्रयोगशाला यात्रा की मेजबानी की । छात्रों ने अपने फैकल्टी सदस्यों के साथ एनआईबी की विभिन्न प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

21 जून 2022 को एनआईबी में बड़े उत्साह के साथ योग आचार्य विजय कुमार, अध्यक्ष एवं सीईओ, यूनिवर्सल योग ग्रुप, गुरुग्राम के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने योग के उद्देश्य और व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर इसके होने वाले प्रभाव के बारे में विशेष जानकारी दी और सभी से अपनी दैनिक गतिविधियों में योग को अपनाने को कहा।

एनआईबी में आयोजित किए जाने वाले आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कैलेंडर (अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023)

माह और दिनांक	कार्यक्रम	कौन भाग ले सकता है
अप्रैल–2022 18–22	**एलबीटी–1** अनुसंधान और नियामक परीक्षण में प्रयोगशाला जानवरों का नीति– विषयक उपयोग और देखभाल	पीजी और पीएचडी छात्र, पोस्ट डॉक्टरेट्स, वैज्ञानिक, पशु चिकित्सक जिनकी अनुसंधान या नियामक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला जानवरों का उपयोग करने की योजना हैं।
मई–2022 23– 27	**एलबीटी –2** सेल कल्चार और बायोएसेज की मौलिक जानकारी	छात्र/फैकल्टी/उद्योग के पेशेवर
जून–2022 20–24	**एलबीटी–3** जैविक और टीकों के मूल्यांकन के लिए सेल कल्चर आधारित तकनीकें	छात्र/उद्योग के पेशेवर/नियामक अधिकारी
जुलाई–2022 04–08	**एलबीटी–4** आरएनए एक्सट्रेक्शन सहित आरटी–पीसीआर पर अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	छात्र/चिकित्सा पेशेवर
अगस्त–2022 22–26	**एलबीटी–5** परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एएएस) का उपयोग करके रक्त उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण	पीजी छात्र/शोधकर्ता/उद्योग के पेशेवर/विनिर्माण इकाइयां/नियामक पदाधिकारी
सितंबर–2022 05–09	**एलबीटी–6** आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण और वैधीकरण पद्धति की मौलिक जानकारी	छात्र/क्लीनिकल प्रयोगशाला कार्मिक, शोधकर्ता, परीक्षण और विनिर्माण इकाइयों के कार्मिक।
अक्तूबर–2022 17–21	**एलबीटी–7** इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट का गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण	छात्र/चिकित्सा पेशेवर
दिसंबर–2022 26–30	**एलबीटी–8** मानव इंसुलिन की पहचान और शक्ति परीक्षण के लिए रिवर्स चरण उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी (HPLC) का अनुप्रयोग	पीजी छात्र/रिसर्च स्कॉलर्स
जनवरी–2023 23–24	**एलबीटी–9** रक्त समूहन अभिकर्मक और रक्त समूहीकरण IVDs के क्यूसी मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले पैनल तैयार करने के लिए RBCs का क्रायोप्रिजर्वेशन	चिकित्सा पेशेवर/विनिर्माता
फरवरी–2023 20–24	**एलबीटी–10** बैक्टीरियल एंडोटॉक्सिन परीक्षण (BET)	माइक्रोबायोलॉजी/बायोकेमिस्ट्री/बायोटेक्नोलॉजी यूजी/पीजी छात्र/एम फार्मा/बी फार्मा के छात्र
मार्च–2023 20–24	**एलबीटी–11** ह्यूमन कोएगुलेशन फैक्टर VIII के शक्ति परीक्षण के विशेष संदर्भ में रक्त उत्पादों की गुणवत्ता नियंत्रण के लिए कोएगुलेशन एनालाइजर (सीए) का उपयोग करना	पीजी छात्र/शोधकर्ता/उद्योग क्षेत्र के पेशेवर/विनिर्माण इकाइयों/नियामक पदाधिकारी
अधिक जानकारी के लिए, कृपया एनआईबी की वेबसाइट (www.nib.gov.in) देखें।		

Designed & Printed by : www.censer.in (Ph) 9810213218

आभार

समाचार पत्रांक की संपादकीय टीम एनआईबी के सभी कर्मचारियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

राष्ट्रीय जैविक संस्थान
ए–32, सैक्टर–62, नोएडा–201309, उत्तर प्रदेश
एनआईबी वेबसाइट: http://nib.gov.in, ईमेल: info@nib.gov.in
दूरभाष: 0120-2400072, 2400022, फ़ैक्स: 0120-2403014

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समाचार पत्रांक से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी/सुझावों/प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें: डॉ मंजुला किरण, एसोसिएट एडिटर, Email : mkiran@nib.gov.in. कृपया संस्करण में सुधार करने हेतु आपके बहुमूल्य विचार और प्रतिक्रिया आमंत्रित है। हमें आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी !!!